



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 255]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 3, 1992/ज्येष्ठ 13, 1914

No. 255]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 3, 1992/JYAISTHA 13, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-मूल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जून, 1992

सांकांनि० 679(अ) :—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 उपधारा की (1) द्वारा प्रवृत्त जम्माओं का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पत्तन पक्ष पत्तन पक्ष में पायलेट कार्य तथा अन्य सेवाओं के लिए शुल्क की वसूली को वित्तियमित करने के लिए भारत सरकार, परिवहन एवं परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं० सांकांनि० 283 दिनांक 21-2-1967 को पुनः संशोधित करने के लिए निम्नलिखित आदेश देती है, अर्थात् :—

आदेश

1. संक्षिप्त नाम एवं प्रारंभ :—

(क) यह आदेश मुरगांव पत्तन पायलेट कार्य एवं अन्य सेवाएं (शुल्क) संशोधन आदेश 1992 कहा जाए।

(ख) यह तत्काल लागू होगा।

2. मुरगांव पत्तन पायलेट कार्य एवं अन्य सेवाएं (शुल्क) आदेश, 1967 में अनुसूची के भाग "क" और "ख" के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया गया है; अर्थात् :—

पायलेट कार्य शुल्क

पत्तन के अन्दर और बाहर जहाजों के पायलेट कार्य के लिए जहाजों पर लगाया जाने वाला शुल्क

जहाजों का वर्ग	तटीय जहाजों की छोड़कर सभी जहाज	मात्र तटीय जहाज
	पायलट और जाबक पायलेट कार्य के लिए प्रति जीआरटी दर न्यूनतम 71.40 यू.एस.डी. यद्यपि जहाँ रियायतें दी जाती हों वहाँ रियायतें देने के बाद	पायलट और जाबक पायलेट कार्य के लिए प्रति जीआरटी दर न्यूनतम 1,500 रुपए यद्यपि जहाँ रियायतें दी जाती हों वहाँ रियायतें देने के बाद
1	2	3
(क) 1,00,000 टन कुल धारिता से कम के जहाजों के लिए	यू.एस. डालर	रु० पै०
3,000 जीआरटी तक	0.14280	3.00
3,001—10,000 जीआरटी	0.14756	3.10
10,001—15,000 जीआरटी	0.14756	3.10
15,001—30,000 जीआरटी	0.14280	3.00
30,001—60,000 जीआरटी	0.14280	3.00
	(यद्यपि अधिकतम 7711.20 यू.एस.डालर)	(यद्यपि अधिकतम 1,62,000 रु०)
60,001—1,00,000 जीआरटी	0.12852	2.70
1,00,001 जीआरटी और अधिक	0.12852	2.70
(ख) 1,00,000 टन कुल धारिता और इससे अधिक के जहाजों के लिए		
(i) संयोजन लदान	0.12852	2.70
(ii) प्रवाह लदान	0.09520	2.00

आवश्यक टिप्पणी :

- (1) "संयोजन लदान" से आशय है ऐसे जहाज पर लदान मूल्य: वर्ष सं० 9/वर्ष सं० 6 पर हो और बाद में अपटापिंग।
- (2) "प्रवाह लदान" से आशय है घाट और मूरिखों के अलावा अन्य स्थानों पर जहाजों पर लदान।

टिप्पणी:—

- हार्बर के अन्दर या बाहर पायलेट कार्य के लिए लगाये जाने वाले फीस में पत्तन पायलेटों की सेवा एवं कर्मीकल सहित पायलेट लांच की सेवाएं लांच तथा टग जो मूरिंग या अन्मूरिंग, जहाज को घाट लगाने या घाट से हटाने तथा जहाज को खींचने के प्रचालन तथा साधारण हटाने के कार्य (केवल दो प्रचालन) तथा प्रवाह में जहाजों पर लाने के लिए समयोपरि, प्रभार शामिल है।
- प्रवाह में घाट या घाट से प्रवाह या एक घाट से दूसरे घाट अथवा लंगर लगाने (साधारण दो हटाने के कार्यों से अधिक) के लिए जहाजों को हटाने के लिए नीचे दिये अनुसार अलग से शुल्क लगाए जाएंगे। यान्त्रिकों के मामले में सभी प्रकार के हटाने के कार्यों के लिए शुल्क लगाए जाएंगे।

सापन का यूनिट	तटीय जहाजों की छोड़कर अन्य सभी जहाज	मात्र तटीय जहाज
	यू.एस. डालर	रु० पै०
(1) 15,000 जीआरटी तक के जहाज प्रति डिफ्रिग का काम	380.80	8,000.00
(2) 15,001 जीआरटी और उससे अधिक वाले जहाज	571.20	12,000.00

- "कोल्ड मूब" पर जहाज के पायलेट कार्य के लिए अर्थात् जहाज के इंजिन के पावर के बिना, किसी आंशिक या पूर्ण प्रचालन के लिए पायलेटज शुल्क उपर्युक्त दरों से दो गुना लिया जाएगा।
- तटीय जहाजों (टैंकरों के अलावा) पर उपर्युक्त दरों का 50 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा।
- यदि किसी संचालन के लिए पायलेटों की सेवाएं मांगी गई हैं लेकिन पायलेट के जहाज में घाने के बाद उसकी सेवाएं नहीं ली गईं तो 600 रु० (तटीय जहाजों की छोड़कर अन्य सभी जहाजों के लिए 28.56 यू.एस. डालर) शुल्क लिया जाएगा। तथापि, ऐसे मामलों में यह शुल्क नहीं लिया जाएगा यदि (क) पायलेट के जहाज पर घाने से दो घण्टे पहले रुक करने की सूचना मिलती है। (ख) जहाज के नियंत्रण से बाहर कारण जो अपवाद स्वरूप हो उसके लिए संचालन को रुक करने पर शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस अण्ड के तहत भुगतान के बारे में कोई आंका उल्लेख नहीं है तो इसे प्रबन्ध/एमपीटी के पाम भेजा जाएगा जिनका निर्णय अंतिम होगा।

6. यदि पायलट के जहाज पर घाने के 30 मिनट के अन्दर जहाज पायलट कार्य के लिए हट नहीं सकता है, तो 30 मिनट के बाद जब भी जहाज को हटाया जाता है तब 300 रुप प्रति घंटा अथवा उसके भाग पर (तटीय जहाजों के अलावा अन्य सभी जहाजों के लिए 14.28 यूएस० डालर प्रति घंटा अथवा उसका भाग) प्रतिदिन शुल्क का भुगतान करना होगा।
7. यदि खराब मौसम के कारण कोई जहाज जाने वाले जहाज पायलट को पतन की सीमा से बाहर ले जाता है तो जहाज के मास्टर द्वारा 1000 रुप प्रतिदिन (तटीय जहाज के अलावा अन्य जहाजों के संबंध में प्रति दिन 47.60 यूएस० डालर) का दर से तब तक क्षतिपूर्ति की जाएगी जब तक कि पायलट पतन पर लौटकर व्यूटा के लिए रिपोर्ट नहीं करता है। इसके अलावा, जहाज में पायलट के अलावा और भोजन का खर्च तथा उसे पतन पर वापस भेजने का खर्च भी जहाज के मास्टर द्वारा दिया जाएगा।
- टिप्पणी: यदि पतन को गुविदा के लिए उद्भूत कोई प्रमाणित किया जाता है तो उसके लिए शुल्क नहीं वसूला जाएगा।
8. तटीय जहाजों को छोड़कर, अन्य सभी जहाजों के संबंध में कबों में वे य एवं रकम का निर्धारण करने के लिए जहाज के प्रागमन को तारीख को विद्यमान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिसूचित बित्तिय दर को हितान में लिया जाएगा। यदि जहाज के प्रागमन का दिन छुट्टी का दिन हो तो पिछले बैंक काम दिन को लागू किया जाएगा।

उपर्युक्त आदेश भाग "जी" और उसके तहत टिप्पणियों के अन्तर्गत भाग "ए" "पायलटिंग शुल्क" और भाग "बी" "मूरिंग एवं रोमूरिंग शुल्क" का अधिकरण करता है।

टिप्पणी: मूल नियम सरकारों अधिसूचना नोयहन एवं वरिष्ठ मंत्रालय सं० सा० का० नि० 283 दिनांक 4-3-67 द्वारा भारत के राजपत्र के भाग-II खंड 3 उप-खण्ड (i), दिनांक 4-3-67 में पृष्ठ 319-320 पर प्रकाशित हुए थे, जिन्हें बाद में निम्नलिखितों द्वारा संशोधित किया गया था:

- (i) अधिसूचना सं० 7-टोजी (31)/67, दिनांक 31-1-68 सा० का० नि० सं० 262 दिनांक 10-2-68 पृष्ठ सं० 270; 271
- (ii) अधिसूचना सं० टोजीधार-17/74 दिनांक 14-4-75, सा० का० नि० सं० 535, दिनांक 28-4-75 पृष्ठ सं० 1222-1224
- (iii) अधिसूचना सं० टोजीधार/50/77 दिनांक 22-4-77, सा० का० नि० सं० 189(ई) दिनांक 22-4-77 पृष्ठ सं० 711-713
- (iv) अधिसूचना सं० टोजीधार-106/77 दिनांक: 9-11-77
सा० का० नि० सं० 688(ई) दिनांक 9-11-77 पृष्ठ सं० 2155-2156
सा० का० नि० सं० 689(ई) दिनांक 9-11-77 पृष्ठ सं० 2156-2159
सा० का० नि० सं० 646(ई) दिनांक 5-9-84 पृष्ठ सं० 3-5
- (v) सा० का० नि० सं० 53 (ई) दिनांक: 30-1-85
- (vi) सा० का० नि० सं० 549(ई) दिनांक 4 मई, 1988

[फाइल नं० पीधार-14012/6/92-पीजी]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wings)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd June, 1992

G.S.R. 579(E).— In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following order further to amend the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. G.S.R. 283 dated 21-2-1967 for regulating the levy of fees for pilotage and other services in the port of Mormugao, namely :—

ORDER

1. Short title and commencement.—

(a) This order may be called the Port of Mormugao Pilotage and Other Services(Fees) Amendment Order, 1992.

(b) It shall come into force at once.

2. In the port of Mormugao Pilotage and other services (Fees) Order, 1967 for PART 'A' and 'B' of the schedule, the following shall be substituted, namely :

PILOTAGE FEES

Leviable on all vessels for Pilotage in and out of Port

Class of Vessel				All other than Coastal Vessels	Coastal Vessels only
				Rate per GRT for Inward and Outward Pilotage Subject to a minimum of US\$ 71.40 after allowing concessions where applicable.	Rate per GRT for Inward and Outward Pilotage Subject to a Minimum of Rs. 1,500/-after allowing concessions where applicable.
1				2	3
A. Vessels below 1,00,000 DWT				US \$	Rs.
Upto	3,000	GRT		0.14280	3.00
3,001	—	10,000	GRT	0.14756	3.10
10,001	—	15,000	GRT	0.14756	3.10
15,001	—	30,000	GRT	0.14280	3.00
30,001	—	60,000	GRT	0.14280	3.00
				(Subject to a maximum of US \$ 7711.20)	(Subject to a maximum of Rs. 1,62,000)
60,001	—	1,00,000	GRT	0.12852	2.70
1,00,001	GRT & above			0.12852	2.70
B. Vessels of 1,00,000 DWT and above					
(i) Combination Loading				0.12852	2.70
(ii) Stream Loading				0.09520	2.00

EXPLANATORY NOTES :

- (i) "Combination loading" denotes loading of a vessels loaded primarily at Berth No. 9/Berth No. 6 and then uptopped.
- (ii) "Stream loading" denotes loading of vessels exclusively at places other than at berth and buoy moorings.

NOTES

1. The fees leviable for piloting vessels in and out of Harbour includes services of the Port's Pilots and the services of pilot launch with crew and launches and tugs engaged in mooring, unmooring, berthing or unberthing and towing operations and normal shiftings (only two operations) and overtime charges on vessels loaded in stream.

2. For shifting a vessel from stream to berth or berth to stream or change of berths or anchorages (beyond the normal two acts of shiftings), separate charges are leviable as under. In case of transhippers, however, all acts of shifting are chargeable.	Unit of measurement	All other than Coastal Vessels	Coastal Vessels only
		US \$	Rs
(i) All Vessels upto 15,000 GRT	Per act of shifting	380.80	8,000.00
(ii) Vessels of 15,001 GRT and above	-do-	571.20	12,000.00

3. For piloting a vessel on "Cold move" namely, without the power of the engine of the vessels, partly or fully in any operations pilotage fees shall be levied at double the rates mentioned as above.

4. Coastal vessel (other than tankers) shall be charged at 50% of the above rates.

5. In case of Pilots, whose services have been requisitioned for any movement but not utilised after the pilot has boarded a vessel, fees at Rs. 600/- (US \$ 28.56 in case of all vessels other than coastal vessels) shall be levied. However, the fees shall not be levied in cases of (a) cancellations received two hours before the pilot boarded the vessels and

(b) cancellations of movement caused under exceptional circumstances for reasons that cannot be attributed to the vessels. If any doubt arises about the payment of the fees under this clause, the matter shall be referred to the Chairman/MTP, whose decision shall be final.

6. If the vessel is not able to move within thirty minutes of pilot's boarding it for the purpose of pilotage, it shall be liable to pay an extra fee (@ Rs. 300/- per half an hour or part thereof (US \$ 14.28 per half an hour or part thereof in case of all vessels other than coastal vessels) beyond thirty minutes, till it moves.

7. If an outward bound vessel carries away a pilot outside the port limit due to bad weather, compensation (@ Rs. 1,000/- per day (US \$ 47.50 per day in case of all vessels other than coastal vessels) shall be payable by the Master of the vessel till the pilot reports back for duty at the Port. In addition the boarding and lodging expenses of the pilot on board the ship and the cost of sending him back to the port shall be payable by the Master of the vessels.

Note.—Any operation as above performed for the convenience of the port shall not be charged.

8. For computing actual amount payable in rupees in respect of all vessels other than coastal vessels, the exchange rate notified by the Reserve Bank of India prevailing on the date of arrival of the vessel be taken into consideration. In case the date of arrival of the vessel happens to be a holiday, the previous bank working day will apply.

The aforesaid order supersedes Part A "Pilotage fees" and Part B "Mooring & remooring fees" under Section "G" alongwith the notes thereunder

Note.—The principal rules were published in the Gazette of India, Part II—Section 3, sub-section (i) dated 4-3-67 at pages 319—320 vide Government Notification, Ministry of Shipping and Transport No. GSR 283 dated 4-3-67 and was subsequently amended by :

- (i) Notification No. 7-PG(31)/67, dated 31-1-68 GSR No. 262 dated 10-2-68 pp 270-271
- (ii) Notification No. PGR-17/74 dated 14-4-75 GSR No. 535 dated 26-4-75 pp. 1222-1224
- (iii) Notification No. PGR/50/77 dated 22-4-77 GSR No. 189(E) dated 22-4-77 pp. 711-713
- (iv) Notification No. PGR-106/77 dated 9-11-77
GSR No. 688(E) dated 9-11-77 pp. 2155-2156
GSR No. 689(E) dated 9-11-77 pp. 2156-2159
GSR No. 646 (E) dated 6-9-84 pp. 3—5
- (v) GSR No. 53(E) dated 30-1-85
- (vi) GSR No. 549(E) dated 4th May, 1988.

[File No. PR-14012/6/92-PG]
ASHOK JOSHI, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जून, 1992

सांकेतिक 580(अ) :—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निवेदित है कि यह अधिसूचना सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 60 दिन की समाप्ति के बाद वाले दिन से उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची अर्थात् उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 1 में मुरगांव पत्तन में संबंधित प्रविष्टियों को निम्नलिखित प्रविष्टियों से प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

पत्तन का नाम	प्रभाव्य जहाज	प्रति टन पत्तन शुल्कों की दर	उक्त जहाजों के पत्तन शुल्क वसूलने का अन्तर्धान
(1)	(2)	(3)	(4)
मुरगांव	I. 200 टन तथा उससे अधिक बांधे जहाज		
	(क) नदीय जहाज	10 रुपए से अधिक नहीं	30 दिनों में एक बार
	(ख) नदीय जहाजों को छोड़कर अन्य सभी जहाज	यू.एस० डालर 0.476 से अधिक नहीं	30 दिनों में एक बार
	II. वैश्वीय जलपान, टंग, लांघ, जलपोत, बजरा (अथवा होने वाले तथा गैड 1 में नहीं दिए गए जहाजों को छोड़कर)		

1	2	3	4	5
		(क) नदीय जहाज	10 रुपये से अधिक नहीं	30 दिनों में एक बार
		(ख) नदीय जहाजों को छोड़कर अन्य सभी जहाज	0.476 यू.एस. डॉलर से अधिक नहीं	30 दिनों में एक बार
		III देशीय जलचान, लान तथा मयस्कबाही बजर		
		(क) नदीय जहाज	मुक्त	
		(ख) नदीय जहाजों को छोड़कर अन्य सभी जहाज	मुक्त	

[फाई न नं० पीप्रार-14012/6/92-पीजी]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, 3rd June, 1992

G.S.R. 580(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 33 of the Indian Port Act, 1908 (15 of 1908); the Central Government hereby makes with effect from the day following the expiration of Sixty days from the date of publication of the notification in the official Gazette, the following alterations in the first schedule to the said Act, namely, in Part I of the First schedule to the said Act for entries relating to the Port of Mormugao, the following entries shall be substituted, namely :

Name of Port	Vessels Chargeable	Rate of Port Dues per ton	Due how often chargeable in respect of same vessels
(1)	(2)	(3)	(4)
Mormugao	I. Vessels of 200 tons and upwards.		
	(a) Coastal vessels	Not exceeding Rs. 10/-	Once in 30 days
	(b) Other than Coastal vessels	Not exceeding US \$ 0.376	Once in 30 days
	II. Country crafts, tugs launches, fishing trawlers barges (other than engaged in Ore carrying and other vessels not covered in Clause-I.		
	(a) Coastal Vessels	Not exceeding Rs. 10/-	Once in 30 days.
	(b) Other than Coastal Vessels	Not exceeding US \$ 0.476	Once in 30 days.
	III. Country Crafts, launches and Barges Carrying Ore.		
	(a) Coastal Vessels	Free	
	(b) Other than Coastal Vessels	Free	

[F.No. PR-14012/6/92-PG]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

प्रतिपक्ष

नई दिल्ली, 3 जून, 1992

सांकांनि० 581(अ) :- भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उप-धारा (1) के साथ पठित धारा 34 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, दीवहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं० सांकांनि० 52(टी), दिनांक, 1988 का अधि-क्रमण करते हुए केवल उन बातों को छोड़कर जिन्हें ऐसे अधिग्रहण से पहले किया गया है अथवा जो किए जाने में यह भर्ती है, केन्द्रीय सरकार पक्षद्वारा निदेश देनी है कि यह अधिसूचना सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 60 दिन की समाप्ति के बाद वाले दिन से, पुराने पत्तन न्याय में प्रवेश कर रहे हरेक जहाज में पत्तन शुल्क, इसके साथ संलग्न "अनुसूची" के कॉलम (1) में दिए गए अनुमात्र का भाग (2) के तत्सम्बन्धी प्रविष्टि सूचित दनों पर उक्त अनुसूची की कॉलम (3) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में सूचित अन्तरालों में वसूला जाएगा।

अनुसूची

जहाजों का वर्ग	प्रति एनआरटी पत्तन शुल्क की दर		उन्हीं जहाजों के संबंध में पत्तन शुल्क वसूलने का अन्तराल
	तटीय जहाजों के अलावा अन्य सभी जहाज	मात्र तटीय जहाज	
	यू एस डालर	रु० पै०	
1. 200 से 1000 एनआरटी तक का जहाज	0.9520	2.00	30 दिनों में एक बार
2. (क) 1001 से 10,000 एनआरटी तक का जहाज	0.11424	2.40	30 दिनों में एक बार
(ख) 10,001 से 20,000 एनआरटी तक का जहाज	0.13328	2.80	80 दिनों में एक बार
(ग) 20,001 से 50,000 एनआरटी तक का जहाज	0.15232	3.20	(1) तटीय जहाजों को छोड़कर अन्य सभी जहाजों के लिए अधिकतम 5712.00 यूएस डालर के अधीन 30 दिनों में एक बार। (2) केवल तटीय जहाजों के लिए अधिकतम 1,20,000 रु० के अधीन 30 दिनों में एक बार।
(घ) 50,001 से 60,000 एनआरटी तक का जहाज	0.11424	2.40	30 दिनों में एक बार
(च) 60,001 एनआरटी तथा उससे अधिक एनआरटी के जहाजों के लिए	0.06664	1.40	30 दिनों में एक बार
3. (क) देशीय जलयान, टग, लांच, जलपीत बजरा (अथस्क डोने- वाले और खंड 1 तथा 2 में नहो दिए गए जहाजों को छोड़कर)	0.04760	1.00	30 दिनों में एक बार
(ख) अथस्क डोनेवाले देशीय जलयान, लांच तथा बजरों के लिए	मुफ्त रु० पै०	मुफ्त	
(ग) क्षतिपूर्ति टक्के कर	0.10	0.10	नीभारित अथस्क पर प्रति 1000 कि०ग्रा० या उसका भाग।

टिप्पणी :

- सभी तटीय जहाजों (टैंकरों को छोड़कर) से उपर्युक्त दरों का 50 प्रतिशत पत्तन शुल्क वसूला जाएगा।
- निम्नलिखित मामलों में विदेशी जहाजों से उपर्युक्त दरों का 70 प्रतिशत पत्तन शुल्क वसूला जाएगा।
 - 3000 टन तक के सामान्य कारगो के लदान/उतारन में लगे जहाज।
 - देश के किसी अन्य पत्तन की ओर से जाने के लिए दूसरे जहाजों में सामान्य कारगो उतारकर लादने के लिए इस पत्तन में आने वाले जहाज।
 - लैंस, कटेयरन और रो-री जहाज।
- पत्तन शुल्क के निर्धारण के लिए पत्तन परिसर में जहाज के प्रवेश का दिन यथार्थ अदायगी का लिहाज किए बिना, अदायगी का दिन माना जाएगा।
- पत्तन शुल्क निम्नलिखित जलयानों से नहो वसूला जाएगा :-
 - (1) किसी भी बिलासी यॉट,

- (2) किसी भी ऐसा जहाज, जो पत्तन में प्रवेश करता है, लेकिन पत्तन सीमा में प्रवेश करने के लिए आवश्यक नहीं है, को पत्तन शुल्क से छूट दे दिया जाएगा।
- (3) दूसरे भारतीय पत्तनों के जहाज और
- (4) सरकार के और नीचे ध्वज पताकावाही जहाज।
5. बिना यात्रियों के जहाज पत्तन में प्रवेश करने वाले कारगो जहाज उपाखंड दरों की नीचे चौथाई की दर पर पत्तन शुल्क देना होगा।
6. जो जहाज पत्तन में प्रवेश करता है लेकिन किसी प्रकार के कारगो या यात्रियों को नहीं लेता है (सम्पत्ति के लिए अथवा उतारने और लाने को छोड़कर) उपर्युक्त शुल्कों की आधे दरों पर श्रद्धांजलि करेगा।
7. भारतीय पत्तन में (जैसे बंगाल) विदेशी पत्तन की ओर जानेवाले और एक विदेशी पत्तन के लिए किसी भी प्रकार के कारगो या यात्रियों को उतारने के लिए मरगात्र पत्तन में आनेवाले जहाजों के बारे में पत्तन शुल्कों की श्रद्धांजलि के संबंध में विदेशी जहाज माना जाएगा।
8. निजी उपयोग के लिए, किसी भी प्रकार के खानपान की चीजें, पानी, बंकर, कोयला या तरल ईंधन लेने के लिए पत्तन में प्रवेश करने वाले जहाजों में उपर्युक्त शुल्कों की आधे दर पर पत्तन शुल्क वसूला जाएगा।
9. दिवसी (5), (6) और (8) के अधीन पत्तन शुल्क भुगतान करने के बाद 30 दिन के भीतर कारगो या यात्रियों को उतारने या लेने के लिए पत्तन में पुनः प्रवेश करनेवाले जहाजों से भुगतान को वसूला जाएगा।
10. बीमार/मृत कर्मियों को उतारने के लिए पत्तन में आनेवाले जहाजों से पत्तन शुल्क नहीं वसूला जाएगा।
11. नदीय जहाजों को छोड़कर, अन्य सभी जहाजों के संबंध में देय धरार्थ रकम का निर्धारण करने के लिए जहाज के आगमन की तारीख विश्वमान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिसूचित विनियम दर का हिसाब से लिया जाएगा। यदि जहाज के आगमन का दिन छुट्टी का दिन हो तो पिछले बैंक काम दिन को लागू किया जाएगा।

स्पष्टीकरण :

- (क) "जहाज" के अंतर्गत खासकर जल यात्रा द्वारा मनुष्य या सम्पत्ति को ले जाने के लिए की गई यात्रा शामिल है।
- (ख) "टनेज" का मतलब है समस्त नियमों के अनुसार निर्धारित किया गया वास्तविक पंजोक्त टनेज।
- (ग) "नदीय जहाज" का मतलब है, किसी भी भारतीय पत्तन या स्थान से यात्री या कारगो को भारत की किसी अन्य पत्तन या स्थान की ओर मार्ग ले आनेवाले जहाज।
- (घ) "विदेशी जहाज" का मतलब है कोई भी जहाज, जो भारत के किसी भी पत्तन या स्थान और अन्य पत्तन या स्थान के बीच में या भारत के बाहर किसी पत्तन या स्थान के बीच व्यापार में लगे जहाज है।

[फाईल नं० पीआर-14012/8/92-पीजी]

प्रणोक जोशी, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, 3rd June, 1992

G.S.R. 581(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 33, read with Section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Port Wing) No. : G.S.R. 52(E) dated 30th January 1985 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby directs that the with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, Port dues shall be levied on each of the vessel entering the port of Mormugao as described in column (1) of the "Schedule" hereby annexed at the rates specified in the corresponding entry in column (2), and at the intervals specified in the corresponding entry in column (3) of the said schedule.

SCHEDULE

Class of Vessels	Rate of port dues per NRT		Dues how often chargeable in respect of the same vessel
	All other than Coastal Vessel	Coastal Vessel only	
1	2	3	4
	US \$	Rs.P.	
1. Vessels from 200 upto 1000 NRT	0.09520	2.00	Once in 30 days

	1	2	3	4
2. (a) Vessels from 1001 upto 10,000 NRT	0.11424	2.40	Once in 30 days	
(b) Vessels from 10,001 upto 20,000 NRT	0.13328	2.80	Once in 30 days	
(c) Vessels from 20,001 upto 50000 NRT	0.15232	3.20	(i) Once in 30 days subject to a maximum of US \$ 5712.00 in case of all vessels other than Coastal Vessels. (ii) Once in 30 days subject to a maximum of Rs. 1,20,000 in case of coastal vessels only.	
(d) Vessels from 50,001 upto 60,000 NRT	0.11424	2.04	Once in 30 days	
(c) Vessels of 60,001 NRT and above	0.06664	1.40	Once in 30 days	
3. (a) Country craft tugs, launches, fishing trawlers, barges (other than engaged in ore carrying and other vessels not covered under clauses 1 & 2)	0.04760	1.00	Once in 30 days	
(b) Country craft, launches and barges Carrying Ore	FREE	FREE		
(c) Compensation tonnage tax	Rs.P. 0.10	0.10	Per 1000 kgs, or part thereof on ore shipped.	

NOTES :

- Port dues on all coastal vessels (other than tankers) shall be levied at 50% of above rates.
- Port dues on foreign vessels shall be levied at 70% of above rates in the following cases :
 - Vessels engaged in loading/unloading parcels of general cargo of the order of not more than 3000 tones.
 - Vessels calling at the port exclusively for lightering general cargo into other vessels for being carried to any other port in the country.
 - Lash, Container and RO-RO vessels.
- In calculating the port dues the day of entry of a vessel within the limits of the port will be reckoned as the day of payment irrespective of the actual day of payment.
- Port dues shall not be levied on :
 - Any pleasure yacht ;
 - Any vessel, which, having left the port, is compelled to re-enter by stress of weather or in consequence of having sustained any damage ;
 - Vessels belonging to other Indian Ports; and
 - Vessels belonging to Government and plying blue/white ensigns.
- Cargo-cum-passenger vessels entering the Port in ballast and not carrying passengers shall pay Port Dues at a rate of three fourths of the above rates.
- Vessels that enter the Port but do not discharge or take in any cargo or passengers therein with the exception of such unshipment and reshipment as may be necessary for the purpose of repair shall pay at one half of the above rates.
- Vessels proceeding from an Indian Port (say Bombay) to a foreign Port and calling at Mormugao to take in or discharge any cargo or passengers for a foreign port, shall be treated as a foreign vessel for the purpose of Port Dues.
- Vessels entering the Port for taking in any provisions, water, bunker, coal or liquid fuel, for their own consumption, shall be charged at one half of the above rates.
- Vessels which, after paying the port dues under notes (5), (6) and (8), re-enter the Port within the period of 30 days for taking or discharging any cargo or passengers shall be charged the difference.

10. Port dues shall not be levied on any vessel calling for disembarking sick/deceased crew.

11. For computing actual amount payable in rupees in respect of all vessels other than coastal vessels, the exchange rate notified by the Reserve Bank of India prevailing on the date of arrival of the vessel be taken into consideration. In case the date of arrival of the vessel happens to be a holiday, the previous bank working day will apply.

EXPLANATION

- (a) "Vessel" includes anything made for the conveyance, mainly by water of human beings or of property.
- (b) "Tonnage" means the Net Registered Tonnage determined according to the relevant Rules.
- (c) "Coastal Vessel" means a vessel which is engaged in the carriage by sea of passengers or cargo from any Port or place in India to any other Port or place in India.
- (d) "Foreign Vessel" means a vessel engaged in Trading between any port or place in India and other port or place or between ports or places outside India.

[File No. PR-14012/6/92-PG]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.